ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से एक महिला की मौत, तीन दर्जन श्रृद्धालु घायल

यूपी के दहगवां गांव निवासी श्रद्धालु ट्रैक्टर-ट्रॉली से कैलादेवी माता के दर्शन कर लौट रहे थे

करौली, (नि.सं.)। कैलादेवी माता के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर करौली-मासलपुर मार्ग स्थित चैनपुर आश्रम के पास तीखे मोड़ पर पलट गई। ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से तीन दर्जन अधिक श्रृद्धालु घायल हो गए, जबकि एक महिला की मौत हो गई। घायलों को उपचार के लिए करौली अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उनका उपचार जारी है। दुर्घटना में मृत महिला का शव करौली हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया है। मासलपुर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घायलों को विभिन्न वाहनों से करौली अस्पताल लाया गया, जहां उनका उपचार किया।

- करौली एसडीएम, करौली थाना अधिकारी, अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी चिकित्सालय पहुंचे और घायलों की कुशलक्षेम पूछी

घटना की जानकारी मिलते ही करौली एसडीएम पिंकी, करौली थाना अधिकारी सुनील कुमार, अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामकेष मीना चिकित्सालय पहुंचे और घायलों की कुशलक्षेम पूछी। उत्तर प्रदेश के जगनेर क्षेत्र के दहगवां गांव निवासी अमन पुत्र सुरेंद्र ने बताया कि वो अपने परिवार के लोगों के साथ कैलामाता की ध्वजा चढ़ाने कैलादेवी गए थे। माता की ध्वजा चढ़ाने के बाद दर्शन कर शनिवार दोपहर बाद उत्तर प्रदेश के जगनेर के दहगवां गांव लौट रहे थे।

इस दौरान करौली-मासलपुर मार्ग पर चैनपुर गांव स्थित ब्रह्म ऋषि आश्रम के पास मोड़ पर अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। ट्रैक्टर- ट्रॉली पलटने से 30 से अधिक महिला, पुरूष, बालक-बालिकाएं घायल हो गए। घायलों को विभिन्न वाहनों द्वारा करौली अस्पताल लाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घायलों में महिला, बच्चे, बुजुर्ग और युवा शामिल है। दुर्घटना में मंजू देवी (50) पत्नी मुकेश की मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सभी दो ट्रैक्टरों में सवार होकर शुक्रवार को ध्वजा लेकर कैला देवी गए थे। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। वहीं करौली अस्पताल में उपजिला कलेक्टर पिंकी गुर्जर ने पूरे मामले की जानकारी लेते हुए घायल श्रृद्धालुओं की कुशलक्षेम पूछी।

हरिण शिकार प्रकरण में रेंजर और वन रक्षक निलंबित

मृत हरिणों का पोस्टमार्टम कराया, वन्यजीव प्रेमियों का आंदोलन समाप्त

श्रीगंगानगर, (निसं)। जैतसर थाना क्षेत्र के चक 2 एलसी के हरिण शिकार प्रकरण में प्रधान मुख्य वन संरक्षक जयपुर ने क्षेत्रीय वन अधिकारी अशोक सिंह और वन रक्षक तेजपाल सिंह को निलम्बित कर दिया है। बिश्नोई मंदिर समिति बुड्ढ़ा जोहड़ डाबला के ज्ञापन और उप वन संरक्षक श्रीगंगानगर की रिपोर्ट के आधार पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने इन दोनों को दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही का दोषी मानते हुए निलम्बन की कार्यवाही की है। निलम्बन काल में इनका मुख्यालय संभागीय मुख्य वन संरक्षक बीकानेर कार्यालय रहेगा।

- श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं अनूपगढ़ जिले से बिश्नोई समाज के लोग धरने में पहुंचे

जैतसर क्षेत्र के गांव दो एलसी में सुबह मृत मिले दो हिरणों के शिकार के बाद आक्रोशित वन्यजीव प्रेमियों की ओर से हिरणों के शवों के साथ रायसिंहनगर-जैतसर-पदमपुर सड़क मार्ग पर तीन दिन से धरना लगाकर आंदोलन किया जा रहा था। इस बीच शाम करीब साढ़े छह बजे वन विभाग रायसिंहनगर के रेंजर व वनरक्षक के निलंबन के साथ ही वन्यजीव प्रेमियों की सभी मांगों को मान लेने पर धरना समाप्त कर दिया गया। उपखण्ड अधिकारी व सीओ रायसिंहनगर की मौजूदगी में हिरणों के शवों को करीब 38 घंटे बाद पोस्टमार्टम करवाकर दफना दिया गया। इससे पूर्व बिश्नोई सभा के आव्हान पर श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं अनूपगढ़ जिले से बिश्नोई समाज के लोग घटनास्थल पर पहुंचे एवं धरने में शामिल हुए। हिरणों के शवों को डीप फ्रीज में रखकर उनकी आत्मिक शांति के लिए हरि स्मरण पाठ प्रारंभ किया गया। बिश्नोई सभा डाबला के अध्यक्ष अरविंद सिहाग,पूर्व अध्यक्ष सीताराम मांझू, दलीप सिगड़, जीव रक्षा बिश्नोई सभा के मुकेश सुथार बिश्नोई, मनसुख बिश्नोई, विजय भादू, संदीप रिणवां, सहकारी भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष कालू थोरी, सूरतगढ़ बिश्नोई सभा के पूर्व अध्यक्ष भागीरथ कड़वासरा, कांग्रेस नेता अमित कड़वासरा, पूर्व प्रधान हरीराम मेघवाल, अनिल धारिणयां, डाबला सरपंच रजनीश ज्याणी, पूर्व सरपंच अरविंद बिश्नोई, ताराचंद धारिणयां, रामस्वरुप तरड़, पीसीसी सचिव गगन विड़िंग सहित ग्रामीण धरने में शामिल हुए एवं वन विभाग की कार्यशैली पर अक्रोश जताया।

धरनास्थल पर सभा में रायसिंहनगर भूमि विकास बैंक के चैयरमैन कालू थोरी ने कहा कि गाय का शिकार करने पर सरकार तुरंत एक्शन लेती है, परंतु हिरण के शिकार पर समाज को संघर्ष करना पड़ रहा है। वन विभाग के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि एक पौधा दस-पन्द्रह साल में बड़ा होता है और वन विभाग के भ्रष्ट अधिकारी दो घंटे में उस पेड़ को कटवा देते हैं। कांग्रेस नेता अमित कड़वासरा ने कहा कि भ्रष्ट अधिकारियों की शह पर सरेआम पेड़ काटे जा रहे हैं। शिकार की घटनाएं भी आम हो चुकी हैं।

विभिन्न मंडियों से धरनास्थल पर पहुंचे बिश्नोई समाज के प्रबुद्धजनों की 21 सदस्यीय समिति का गठन कर रायसिंहनगर उपखण्ड अधिकारी सुभाषचन्द्र व सीओ अनु बिश्नोई से दोपहर करीब तीन बजे वार्ता प्रारंभ हुई। वार्ता में पूर्व विधायक बलवीर लूथरा भी शामिल हुए। चार चरणों में हुई वार्ता में अंततः मांग पत्र पर सहमति बन गई। इसके बाद एसडीएम ने वन विभाग के दोनों अधिकारियों का निलंबन पत्र समिति सदस्यों को सौंप दिया, जिसके बाद वन्यजीव प्रेमियों ने आंदोलन की समाप्ति की घोषणा कर दी गई। वन्यजीव प्रेमियों की ओर से दूसरे दिन भी रायसिंहनगर-जैतसर-पदमपुर सड़क मार्ग को जाम करने से यातायात व्यवस्था बिगड़ी रही। कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीओ अनु बिश्नोई के नेतृत्व में सर्किल क्षेत्र के थानाधिकारी इमरान खान, श्रीविजयनगर थानाधिकारी गोविंदराम बिश्नोई सहित मुकलावा एवं रायसिंहनगर पुलिस का जाब्ता तैनात रहा।

विद्युत करंट लगने से मादा पैंथर और दो शावकों की मौत

बिजली लाइन की चपेट में आने से तीनों का शरीर बुरी तरह जल गया

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के नजदीक अलवर वन मंडल क्षेत्र डहरा शाहपुर अमृतवास में एक मादा पैंथर और उसके दो शावकों की मौत हो गई है। बिजली लाइन की चपेट में आने से मौत होना सामने आया है। हालांकि अभी तीनों के शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इस हादसे को लेकर वन विभाग पर सवाल उठे रहे हैं।

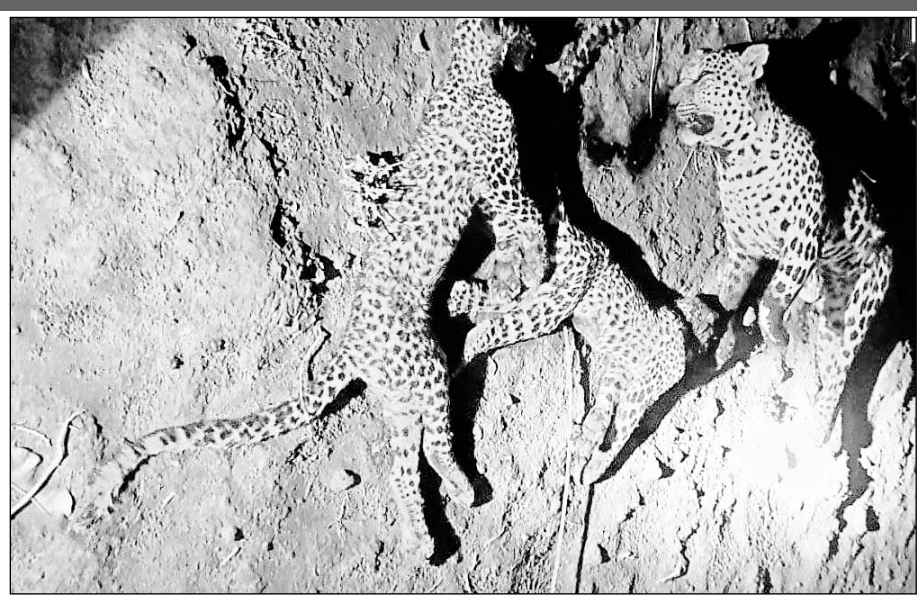

मादा पैंथर और उसके दो शावकों के शव।

- वन रेंजर व अन्य कार्मिक मौके पर पहुंचे, तीनों के शव को कटीघाटी लाया गया

लोगों का कहना है कि वनक्षेत्र के आसपास में बिजली लाइन क्यों डाली गई? आशंका यह भी है कि शिकार के मकसद से तो इन्हें नहीं मारा गया, क्योंकि एक साल पहले भी इस क्षेत्र में तीन पैंथर की मौत हो चुकी है। घटना शुक्रवार रात 10 बजे के आसपास की है। लाइन की चपेट में आने से तीनों का शरीर बुरी तरह जल गया। सूचना के बाद वन रेंजर व अन्य कार्मिक मौके पर पहुंचे। तीनों के शव को कटीघाटी लाया गया है, जहां पोस्टमार्टम के बाद इनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। जिस जगह यह हादसा हुआ है, वहां बाघ की मूवमेंट रहती है। यह सरिस्का बाघ अभ्यारण्य का हिस्सा है। यहां कई बार बाघ एसटी-18 और 2303 की मूवमेंट दिखी है। इसके अलावा भी कई वन्यजीव यहां आते हैं। यह जगह अलवर शहर से महज 15 किमी की दूरी पर है।

दो पैंथरों की लड़ाई में एक की मौत

उदयपुर, (कासं)। सलूम्बर जिले के सराड़ा वन रेंज के अंतर्गत दो पैंथरों की आपसी लड़ाई में एक की मौत हो गई। वनकर्मियों ने पैंथर के शव को कब्जे लेकर उसका पोस्टमार्टम करवाकर शव का निस्तारण किया।

क्षेत्रिय वन अधिकारी खेमराज मीणा ने बताया कि वन विभाग को ग्रामीणों के माध्यम से सूचना मिली कि पलोदडा वन चौकी क्षेत्र के अंतर्गत पलुणा के खेड़ा के जंगल में एक मृत पैंथर का शव पड़ा है, जहां वनपाल रेखा मीणा, वनरक्षक केशव मीणा, प्रकाश मीणा, पूर्व सरपंच भगवती लाल के अलावा वन सुरक्षा समिति के वेलाराम, होमा आदि मौके पर पहुंचे और मौका कार्रवाई करते हुए पैंथर के शव को कब्जे में लेकर चौकी पर रखवाया, जहां शनिवार को चिकित्सकों की देखरेख में उसका पोस्टमार्टम कर शव का निस्तारण किया गया।

क्षेत्रीय वन अधिकारी खेमराज मीणा ने बताया कि प्रथम दृष्टिकोण से दो पैंथरों की आपसी संघर्ष से मौत होना प्रतीत हो रहा है। मृत पैंथर के गले में दांत के निशान भी दिखाई दे रहे हैं, हालांकि विभाग का कहना है कि पोस्टमार्टम की विस्तृत रिपोर्ट सामने आने के बाद ही वस्तुस्थिति साफ होगी। बताया गया मृत पैंथर की उम्र तकरीबन 3 वर्ष के आसपास है व मादा है।

राजस्थान का मोस्ट वांटेड प्रदीप बुवाल गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। जिले ही नहीं प्रदेश के मोस्ट वांडेट अपराधियों की फेहरिस्त में शामिल नामी बदमाश आखिरकार शनिवार को पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस टीम ने राजस्थान के 25 टॉप मोस्ट वांटेड के प्रदीप बुवाल को गिरफ्तार कर लिया है। चालीस हजार रुपए इनामी बदमाश प्रदीप पर बीकानेर सहित कई जिलों के थानों में मामले दर्ज है।

- प्रदीप पर बीकानेर, नागौर, जोधपुर और अजमेर में मामले दर्ज हैं

एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया पुलिस की साइबर टीम के प्रयास से साइंसर निवासी प्रदीप बुवाल को गिरफ्तार किया गया है। उसकी गिरफ्तारी में एएसआई दीपक यादव और कांस्टेबल सुमित के साथ जसरासर थानाधिकारी संदीप बिश्नोई की खास भूमिका रही। जसरासर थानाधिकारी ने बताया कि खींदासर-हदां के बीच रोही में शनिवार को प्रदीप के होने की सूचना मिली थी। इसके बाद घेराबंदी करके प्रदीप को गिरफ्तार कर लिया गया। बदमाश प्रदीप पर न सिर्फ बीकानेर बल्कि नागौर, जोधपुर और अजमेर में भी मामले दर्ज है। उस पर बीकानेर के पांचू, कोटगेट, नोखा, कोलायत में मामले है तो नागौर के मेड़ता सिटी, पाली के आनन्दपुर, जोधपुर के भोजासर और उदयमंदिर, अजमेर के पीसांगन में भी केस दर्ज है।

ओवरलोड दो डंपर जब्त

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी पुलिस ने देर रात को ओवरलोडिंग डंपरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो ओवरलोड डंपरों को जब्त किया है। पुलिस ने 70 हजार रुपए भी जुर्माना भी वसूल किया गया है। थानाधिकारी भंवरलाल कुमावत ने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देश पर ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस की ओर से अलग-अलग टीमें लगाकर ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की टीम ने बबाई में नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की गई। इस दौरान खेतड़ी के खनन क्षेत्र से ओवरलोड पत्थर व डस्ट लेकर आ रहे दो वाहन जब्त किए गए, जिसमे दो ओवरलोड वाहन पाए गए। इसके अलावा छह वाहनों को एमवी एक्ट के मामले में जब्त किए गए हैं।

'जोसा काउंसलिंग की ऑनलाइन रिपोर्टिंग में स्टूडेंट्स को परेशानियां आई'

कोटा, (निसं)। देश के आईआईटी एनआईटी, ट्रिपल आईटी समेत 121 संस्थानों की 59917 सीटों के लिए जोसा द्वारा ज्वाइंट काउंसलिंग चल रही है। जोसा द्वारा प्रथम राउंड सीट आवंटन की ऑनलाइन रिपोर्टिंग जारी है। ऑनलाइन रिपोर्टिंग का समय 24 जून को शाम 5 बजे तक दिया गया है।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स के सामने जोसा काउंसलिंग की ऑनलाइन रिपोर्टिंग में परेशानियां आ रही है। इसमें दो बड़े कारण स्टूडेंट्स बता रहे हैं। पहला है जिसमें 12वीं की संबंधित बोर्ड की टॉप-20 पर्सेन्टाईल जारी नहीं होने के कारण स्टूडेंट्स प्रवेश की बोर्ड प्राप्तांकों की पात्रता को लेकर असमंजस में हैं, जिन स्टूडेंट्स के बोर्ड में 75 प्रतिशत अंक नहीं हैं, और उन्हें सीट आवंटित हो गई है, वे स्टूडेंट्स टॉप-20 पर्सेन्टाइल स्कोर का इंतजार कर रहे हैं। इस वर्ष भी आईआईटी, एनआईटी व ट्रिपलआईटी में प्रवेश के लिए 75 प्रतिशत या टॉप-20 पर्सेन्टाइल में शामिल होने की बोर्ड पात्रता रखी गई है। कुछ स्टूडेंट्स को अपेक्षा है कि बोर्ड में टॉप-20 पर्सेन्टाइल स्कोर से वे पात्रता पूरी कर लेंगे, फिलहाल इन स्टूडेंट्स के प्रवेश पर संकट है। एक्सपर्ट आहूजा ने बताया कि इसके अलावा स्टूडेंट्स लगातार 12वीं बोर्ड की ओरिजनल मार्कशीट जारी नहीं होने की समस्या से जूझ रहे हैं। स्टूडेंट्स का कहना है कि डॉक्यूमेंट वैरिफिकेशन के समय ओरिजनल मार्कशीट मांगी जा रही है, कुछ बोर्ड्स द्वारा एक्सपर्ट मार्कशीट जारी नहीं होने की स्थिति में इंटरनेट की मार्कशीट मान्य नहीं हो रही है और प्रवेश अटका दिया गया है। स्टूडेंट्स ने संबंधित बोर्ड से मार्कशीट जारी करने की मांग की है, एडमिशन सुनिश्चित हो सके। इस विसंगति में राजस्थान सहित देश के कई बड़े बोर्ड शामिल हैं।

आहूजा ने बताया कि देश में एनआईटी, ट्रिपलआईटी में एडमिशन के लिए कई बड़े बोर्ड की टॉप-20 पर्सेन्टाइल स्कोर जारी नहीं की गई है। इसमें राजस्थान बोर्ड सहित छत्तीसगढ़, हिमांचल, हरियाणा, जम्मू, कर्नाटका, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, त्रिपुरा, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूल आदि बोर्ड शामिल हैं, जिनकी टॉप-20 पर्सेन्टाइल जारी नहीं की गई है।

एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि स्टूडेंट्स को जोसा काउन्सलिंग में ऑनलाइन रिपोर्टिंग के दौरान अपनी आवंटित सीट के लिए तीनों स्टेप पूरे करने के बाद उन्हें जोसा द्वारा डोक्युमेंट्स वेरिफाई कर सीट कन्फर्मेशन का इंतज़ार करते दिखाई दे रहे हैं क्योंकि बहुत से स्टूडेंट्स ऐसे हैं जिन्होंने ऑनलाइन रिपोर्टिंग कर सम्पूर्ण प्रक्रिया पूर्ण कर ली परन्तु अभी तक उनके सारे डाक्यूमेंट्स वेरिफाई नहीं हुए है और ना ही उनकी आवंटित सीट का कन्फर्मेशन आया है ऐसे में ये स्टूडेंट्स परेशानी में है।

16 माह के लंबे इंतजार के बाद पदोन्नत उप प्राचार्य का पदस्थापन होगा

बीकानेर, (निसं)। राज्य के शिक्षा विभाग में फरवरी 2023 यानी 16 महीने पहले विभागीय पदोन्नति से व्याख्याता से उप प्राचार्य बने कार्मिकों को अब पोस्टिंग मिलने जा रही है। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद शिक्षा निदेशालय में पदोन्नति से पदोन्नत हुए उप प्राचार्य की काउंसलिंग करवाने की तैयारियां शुरू की गई है। अब निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान,बीकानेर आईएएस आशीष मोदी ने आदेश जारी किया जिसमें विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा उप-प्राचार्य की वर्ष 2022-23 डीपीसी उपरांत पदोन्नत होने वाले कार्मिकों के संबंध में पदस्थापन आदेश जारी किये जाने से पूर्व शाला दर्पण एसडीपीएमएस (शाला दर्पण पोस्टिंग मैनेजमेंट सिस्टम) पर ऑनलाईन काउसलिंग प्रक्रिया के लिए कार्यक्रम द्वारा जारी है, जिसके माध्यम से 10 हजार 49 पदोन्नत हुए उप प्राचार्यों का पदस्थापन किया जाएगा।

स्कूलों में पदस्थापन हेतु उप प्राचार्य का काउंसलिंग कार्यक्रम में 22 जून से 24 जून तक विशेष वर्ग की जानकारी हेतु निर्धारित प्रपत्र जारी कर, सूचना प्राप्त करना, 25 से 27 जून तक प्राप्त सूचना के आधार पर अस्थाई वरीयता सूची विभागीय वेबसाईट पर प्रकाशन कर वरीयता सूची के संदर्भ में आपत्तिया मांगना, 28 जून को एनआईसी, शाला दर्पण जयपुर/बीकानेर एवं संस्थापन एबी अनुभाग (निदेशालय) द्वारा आपसी समन्वय द्वारा अपलोड डाटा का सत्यापन, 30 जून को प्राप्त अंतिम आपत्तियों के आधार पर संशोधन करते हुए स्थाई वरीयता सूची का प्रकाशन एवं शासन से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप रिक्तियों का प्रकाशन, 1 से 4 जुलाई तक वरीयता सूची मे उल्लेखित आशार्थियों द्वारा विद्यालयों का चयन एवं ऑप्शन लॉक किया जाना (4 जुलाई मध्य रात्रि 12 बजे तक)। 5 जुलाई को आशर्थियों द्वारा लिये गये विकल्पों के आधार पर एनआईसी एवं शाला दर्पण जयपुर/बीकानेर द्वारा रिजल्ट/रिपोर्ट तैयार करना, 8 जुलाई को तैयार रिजल्ट/ रिपोर्ट के आधार पर पदस्थापन संबंधी आदेश जारी करना।

राज्य में स्थिति ये थी कि पदोन्नति के बाद सैकड़ों स्कूलों में एक से लेकर आठ-आठ, नौ-नौ उप प्राचार्य हो गए। इनकी पदोन्नति तो हो गई लेकिन दूसरी स्कूलों में नियुक्ति नहीं मिली। शिक्षा विभाग ने पदनाम बदल कर वर्तमान स्कूल में ही अगले आदेश तक नियुक्ति दे दी और नए पद के अनुरूप वेतन मिलना शुरू हो गया। यानी पद उप प्राचार्य का मिला, लेकिन काम व्याख्याता का ही कर रहे थे।

शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद ने बताया कि राज्य में आरपीएससी के माध्यम से माध्यमिक स्कूलों के एचएम के पदों पर 50 प्रतिशत पदों पर सीधी भर्ती व 50 प्रतिशत पदों पर पदोन्नति होती थी। लेकिन पूर्व सरकार ने एचएम पद को समाप्त करते हुए उसकी जगह नया पद उप प्राचार्य का सृजित कर दिया जो स्वागत योग्य कदम था।

आठ पंचायतों को भीलवाड़ा जिले में शामिल करने की मांग पर अड़े ग्रामीण, धरना प्रदर्शन किया

विरोध के बावजूद राजनीतिक लाभ के लिए आठ पंचायतों को नवसृजित शाहपुरा जिले में जोड़ दिया गया

मांडलगढ़, (निसं)। जनता के विरोध के बावजूद भी राजनीतिक लाभ के लिए आठ ग्राम पंचायतों को नवसृजित शाहपुरा जिले में जोड़ दिया गया। उसके बाद से ही 8 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण काछोला में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, परंतु प्रशासन एवं सरकार इस और ध्यान नहीं दे रही है जिससे अब विरोध के सूर तेज होने लगे हैं। शनिवार को धरना स्थल पर एकत्रित हुए ग्रामीणों ने प्रशासन व सरकार के प्रति रोष जताया एवं शीघ्र ही भीलवाड़ा जिले में शामिल करने की मांग को लेकर नवीन कार्य योजना की रूपरेखा तैयार की, जो अब उग्र आंदोलन के रूप में ग्रामीण सड़कों पर उतरेंगे।

मांडलगढ़ के काछोला उप तहसील मुख्यालय पर जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने धरना दिया।

- धरना स्थल पर एकत्रित हुए ग्रामीणों ने प्रशासन व सरकार के प्रति रोष जताया एवं शीघ्र ही भीलवाड़ा जिले में शामिल करने की मांग को लेकर कार्य योजना की रूपरेखा तैयार की

जानकारी के अनुसार काछोला में आठ ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनप्रतिनिधि, ग्रामीण बस स्टैंड स्थित सब्जी मंडी की जगह पर धरना दे रहे हैं। उनकी काछोला सहित आठ ग्राम पंचायतों को शाहपुरा जिले से निकालकर पुनः भीलवाड़ा जिले में शामिल करने की मांग है। आगामी रणनीति तय करने के लिए शनिवार को धरना स्थल पर मीटिंग हुई।

संघर्ष समिति के बुलावे पर विधायक प्रतिनिधि संदीप माहेश्वरी धरना स्थल पर आए। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल से दूरभाष पर आठ पंचायतों के संबंध में प्रतिनिधिमंडल के मिलने का समय लिया। खंडेलवाल से संघर्ष समिति के एक प्रतिनिधिमंडल मिलकर वार्ता करेगा। इसके बाद ही उचित आंदोलन की आगामी रणनीति बनाई जाएगी। संघर्ष समिति विधायक से मिलने के बाद आगामी रणनीति तय करेगी। इस अवसर पर संघर्ष समिति के संपत सिंह सोलंकी, संदीप सोनी, भैरूलाल मंत्री, एनके सोनी, अमरसिंह सोलंकी, राजेंद्रसिंह सोलंकी, सूरतराम गगरानी, महावीर शर्मा सरथला, कैलाश धाकड़, मुरली मनोहर मूंदड़ा, एनके सोनी, कमलेश आचार्य, पंचायत के जनप्रतिनिधि, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच प्रत्याशी, पूर्व सरपंच व प्रबुद्धजन आदि उपस्थित थे।

यह है मामला :- काछोला सहित आठ पंचायतों की भीलवाड़ा जिले में शामिल करने की मांग लंबे समय से चली आ रही है। ये आठ पंचायतें हैं काछोला, राजगढ़, थलकलां, सरथला, जस्सूजी का खेड़ा, झंझौला, मांगटला, जलिंद्री। इन ग्राम पंचायतों को नवसृजित शाहपुरा जिले में शामिल करने का विरोध ग्रामीण कर रहे हैं। इसको लेकर संघर्ष समिति के बेनर तले मांडलगढ़ विधायक, सांसद सहित आदि को ज्ञापन देकर मांग की है कि शीघ्र ही भीलवाड़ा जिले में इन पंचायत को जोड़ा जाए।

आसाराम की तबीयत फिर बिगड़ी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जेल में बंद आसाराम की शनिवार को तबीयत फिर बिगड़ गई। आसाराम को निजी आयुर्वेदिक अस्पताल लाया गया है। आसाराम यहां इलाज के लिए दो दिन रुकेंगे। इससे पहले गुरुवार रात भी आसाराम की तबीयत खराब होने से उसे एम्स में भर्ती कराया गया था। इसके बाद फिर से जेल भेज दिया गया था।

आसाराम ने यहां से अप्रैल माह में पुणे के डॉक्टर की देखरेख में इलाज करवाया था। सोमवार को भी आसाराम ने सीने में दर्द की शिकायत की थी। इस पर जेल की डिस्पेंसरी में ईसीजी करवाया गया था। रुटीन चैकअप के लिए गुरुवार को एम्स ले गए, जहां खून की कमी और अन्य जांच सामान्य होने पर वापस जेल भेज दिया गया। इसके बाद देर रात वापस सीने में दर्द की शिकायत होने पर एम्स में भर्ती किया गया। शुक्रवार को जांचें आने के बाद जेल ले जाया गया था।

आसाराम का अप्रैल महीने में आयुर्वेदिक पद्धित से हार्ट का इलाज जोधपुर के निजी आयुर्वेदिक अस्पताल में पूणे के माधोबाग अस्पताल के डॉक्टरर्स की निगरानी में हुआ था। उसके बाद आसाराम की हालत में सुधार था।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-पाली (राज.)

क्रमांक-789-814 दिनांक-14.06.2024

निविदा सूचना संख्या 03 वर्ष 2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से विभिन्न कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संर विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए, श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में इ-टेंडरिंग प्रक्रिया द्वारा ओनलाईन निविदायें प्राप्त करने हेतु आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित वेबसाइट www.dipr.rajasthan.gov.in व https://sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा के NIB CODE है PWD2425A0254

निविदा के UBN NO. है PWD2425WSOB00876, PWD2425WSOB00877, PWD2425WSOB00878, PWD2425WSOB00879

अधिशाषी अभियंता
सा.नि.वि. खण्ड-पाली

DIPR/C/4544/2024